

तौम्बाखु आमारै शौरीर खी रौदि औयै



Bangani

तौम्बाखु आमारे शौरीर खी रौदि औयै

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani language
Community based Book

परकाशण:-
NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बड़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकी जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

॥धन्यवाद॥

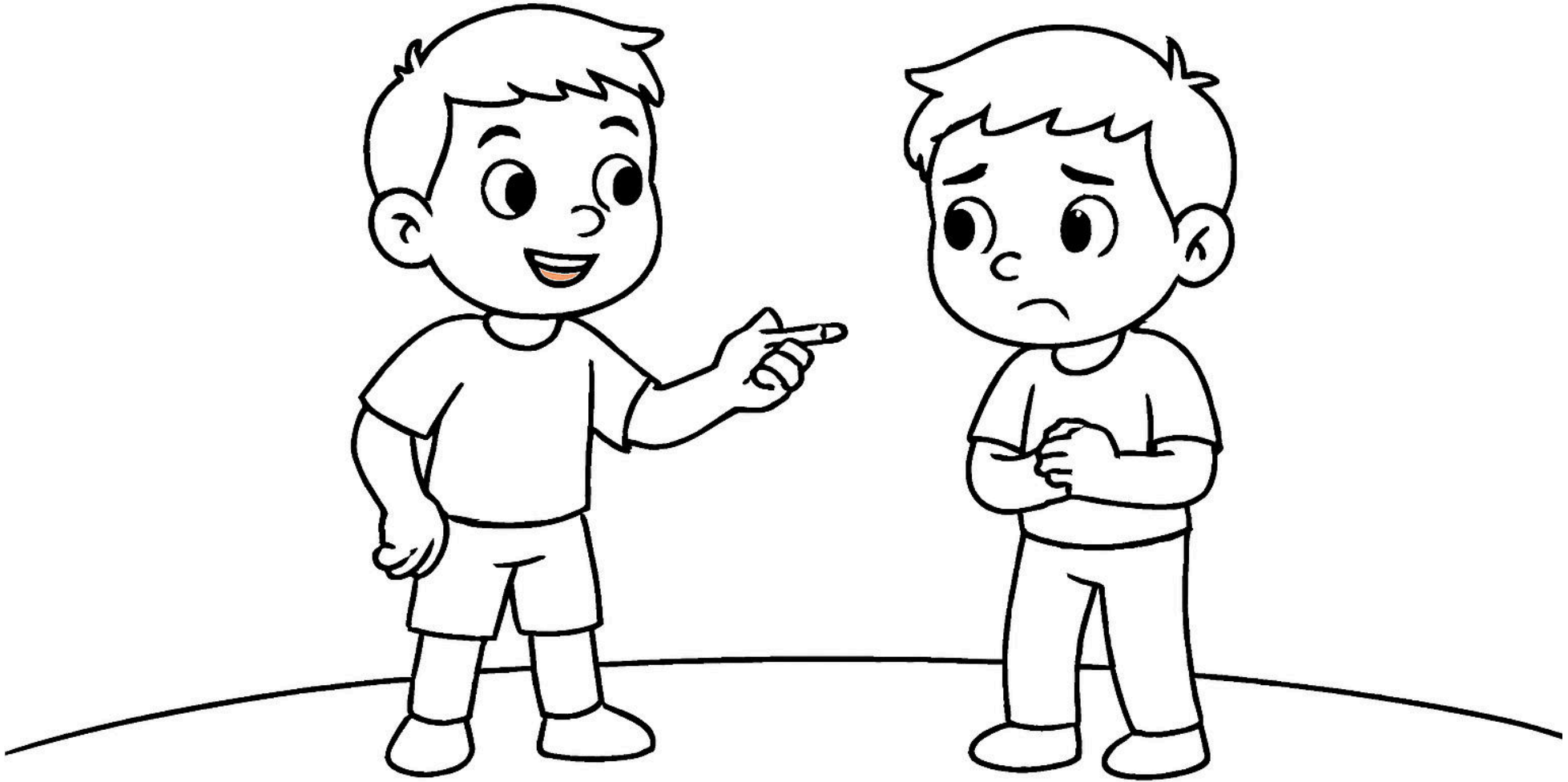


एक छोटौ ज़ाई गाउँ दि रवि नौऊँ रौ एक
लौड़कौ रौयै थौ। सेउ डोखरौउँ दि काम कौरै
थौ औज़ि आपड़े दादा रै साथै रौयै थौ। तेसरौ
दादा केत्रा केत्रा हुक्का पियै थौ औज़ि रवि तेस
देखै थौ।



एक दूस, रविणइ देखौ कि गाउँ रै कुछ जुवान
लोग गाउँ कौइ बाऽरै चोरियो बीड़ी रौयै थै
पिन्दै लागी। सै बीड़ी रौ दुवांठेइ बारै
फुकरियो बौड़ी खुशी रौयै थै मैसूस कौरदै
लागी। रवि कै एशौ लागौ कि एउ एक बौड़ौ
मज़ेदार औज़ि बौड़ी बात।

**SONU OFFERED A BIDI,
BUT RAVI WAS HESITANT.**



तिउं लौड़कौउं माइं कौइ सोनू रवि काइ
आओ। तिणी रवि कै एक बीड़ी देणी औज़ि
बोलौ कि एक बैरै कोशिश कौरियौ तै देख,
केत्ती बौड़िया लागै, औगौणिकै तै तिणी ना
टेकी पर बादि तिणी सै बिड़ी पोरु टेकी।



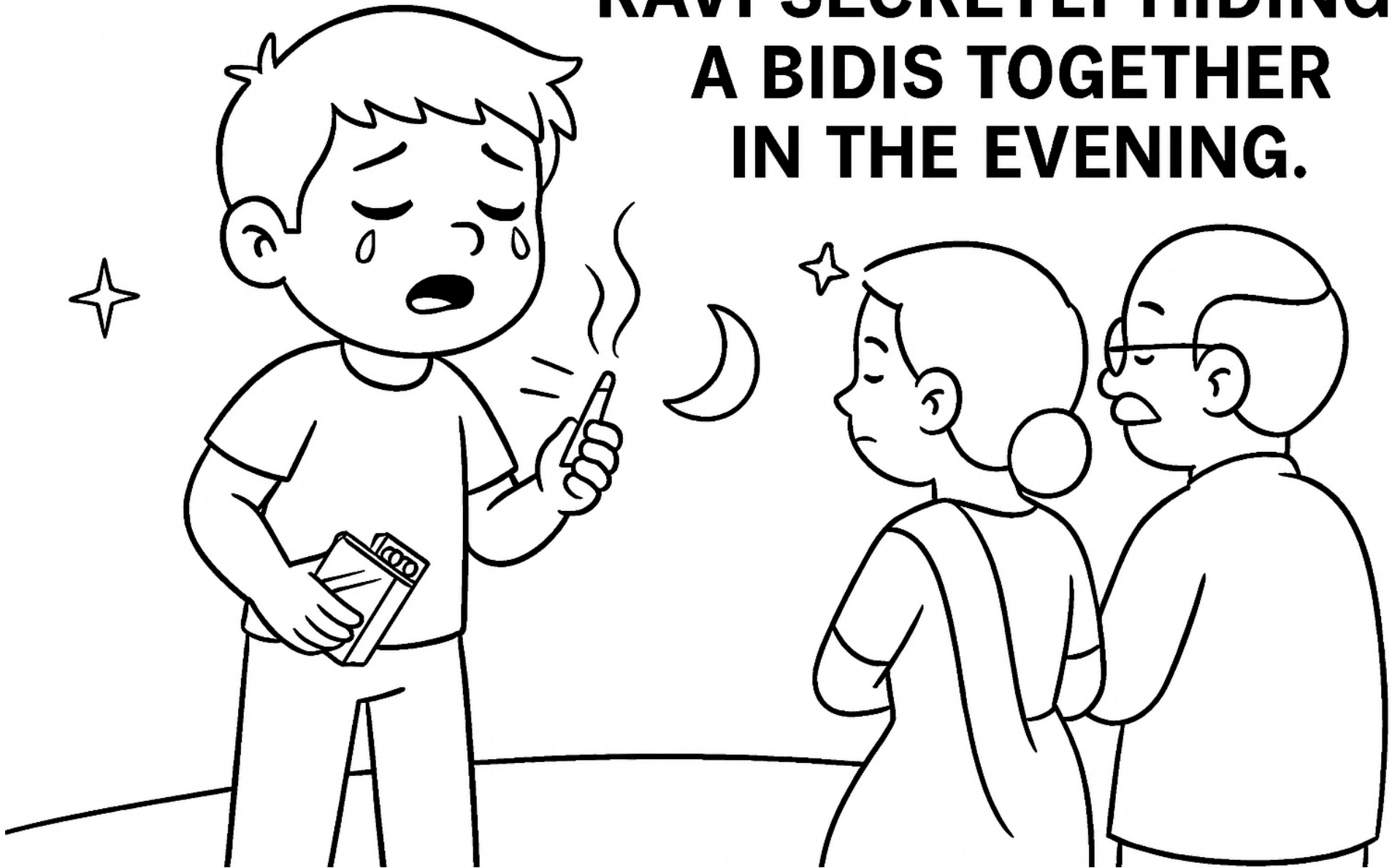
पैहली बैरै ज़ौ तिणी बीड़ी दि एक शोड़ देणी,
तै तेस बौरी खुंगौ लागौ, औज़ि चक्कुर आन्दै
लागै। तैबै बि तिणी एशौ सुँचौ कि कि शायद
पैहली बैरै पिणे री बौज़ै कौड़ एशौ उवौ
औलौ। सेउ आफु सोनू रै सामणै कमज़ोर
साबित ना औणै चाए थौ।

RAVI AND SONU SMOKED BIDIS TOGETHER IN THE EVENING.



रवि बियाळि बियाळिकै रोज़ सोनू रै साथै
बीड़ी पिन्दै लागौ। आराम आराम कौइ बीड़ी
पिणी तेसरी आदत बौणी गोई थी। काम
कौरणै बासियै बीड़ी पियौ तेसकै एशौ
मैसूस उवौ कि तेसरी थौकान कौइ तेसकै
आराम मिलौ।

**RAVI SECRETLY HIDING
A BIDIS TOGETHER
IN THE EVENING.**



तेसरी बीड़ी पिणे री आदत बौरी बौड़ी गोइ
थी। एत्कै जौउं कि सेउ आपड़ी ज़ाबी दि
बीड़ी माचिस लागी गोऔ थौ थौन्दै। तेसरै
जुड़कौउं, औज़ि सास कौइ बी बीड़ी रौ बाश
छुटै थौ।



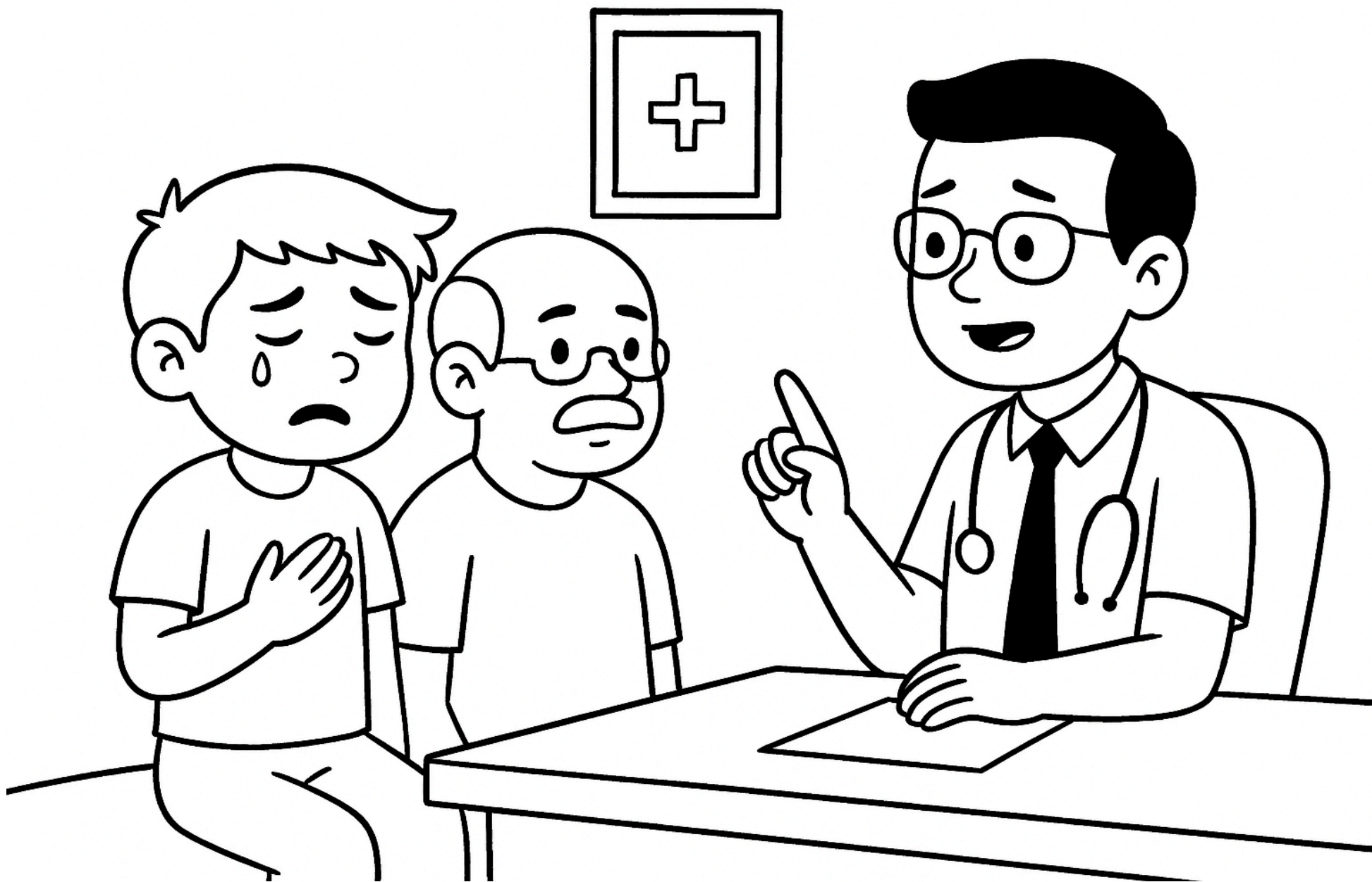
आराम आराम कौइ सेउ बीडी री लत कौइ
सीगरेट री लत शुरु उई गोइ थी। एज़ि बौज़ै
कौइ रवि आपड़ी कियौन्दि मज़दुरी रै
पौइंशाउं री सीगरेट खौरिदणे दि खौर्च
कौरै थौ। सेउ बेचैन औज़ि बौरी चिड़चिड़ौ
औन्दै लागौ।



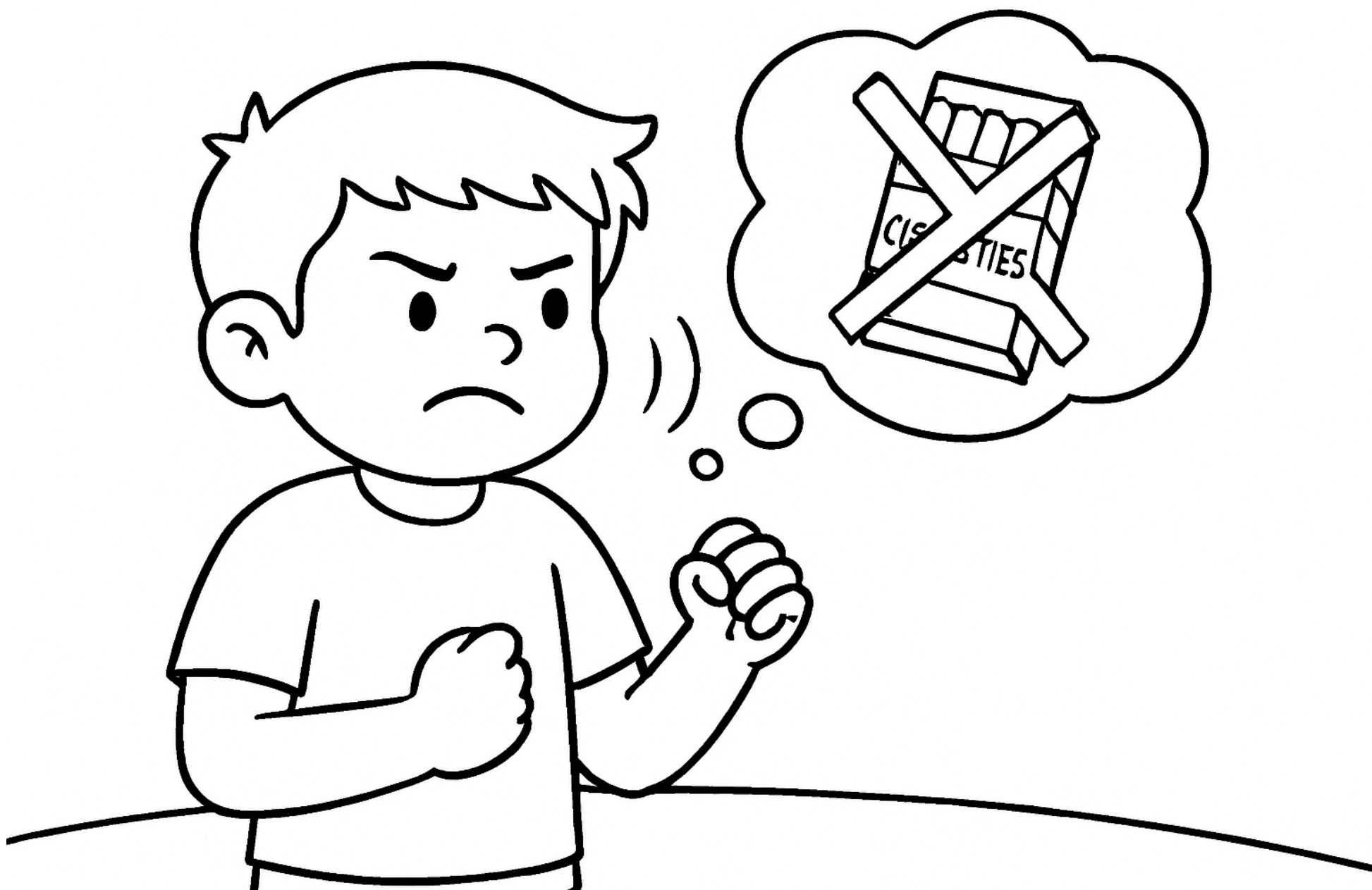
एक दूस जौ रवि रात्ती ठाऊ कौइ बिउजौ तै
तेस बौरी खुंगौ रौ थौ लागी, तेसकै सास निणे
खी बी दिक्कत रौइ थी औन्दि लागी। तेसरै
फेफड़ै बी बौरी कमजोर उइ गोयै थै, औज़ि
बार बार छाती दुखै थी।



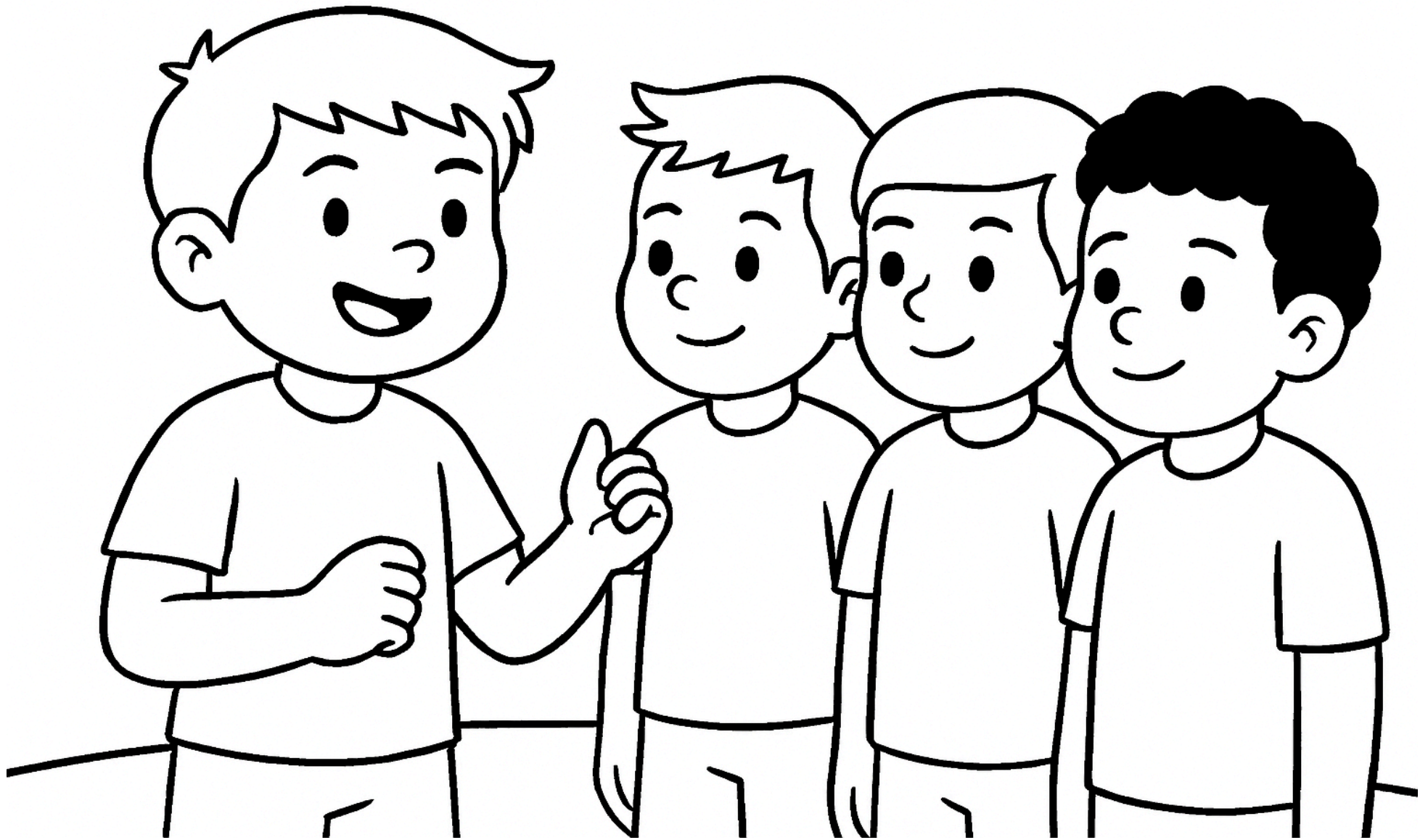
रवि री आमाइ तेसरी हालत देखी सै बौरी
पौरेशान उई। तियै रवि कौइ पुछौ कि ताउँ दि
का रौ औन्दै लागी। औज़ि तु एती कमज़ोर
केलाइ रौ औन्दै लागी। रवि रै आखौउँ दि
आशु थै औज़ि तिणी आपड़ी गौलती मानी।



रवि रौ पापाइ सेउ शैर दि डौक्टर काइ गिणौ
डौक्टरेइ तेसारी बोलौ कि तौम्बाखु औज़ि
सिगरेट शौरीर रखी केती रौदि औयै । सेउ
आराम आराम कौइ बितरोड़ी सारौ कुछ
खौतम दै कौरी ।



डौक्टर री बुशौउं रवि डौराइ देणौ, औज़ि
तिणी तेत्राइ कौइ सिगरेत, बीड़ी री लट पोरु
छोड़नै रौ फैसलौ कियौ। औगौणिकै तै कुछ
दुसु ज़ौउं बौरी मुश्किल उई, तेसकै बार बार
सिगरेट पिणे री लट लागै थी, पर तिणी हार
ना मानी।



आराम आराम कौइ रविण्ड आपड़ी सिगरेट
पिणे री लत आपड़े काबु दि कौरी गोइ थी।
औज़ि सेउ ठीक औन्दै लागी गोऔ थौ। तैबै
तिणी आपड़े गाउँ रै जुवान लोगु कै बौड़ी,
सिगरेट, तौम्बाखु कौइ दुरै रौणे री सौला
देणी। औज़ि सेउ आपड़ी जिन्दगी बौड़िया
कौइ ज़िन्दै लागौ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मात्रभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मात्रभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....

